**भारतीय खाद्य निगम के इटारसी स्थित गोदाम में गेहूं का खुले में पड़ा रहना**

1740. **श्री प्यारेलाल खंडेलवाल :**
**श्री राधा किशन मालवीय :**

क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान इंदौर से प्रकाशित होने वाले 10 अक्तूबर, 1983 के "नई दुनिया" में छपे इस आशय समाचार की ओर दिलाया गया है कि भारतीय खाद्य निगम के इटारसी के स्थानीय गोदाम में 20 हजार बोरे गेहूं वर्षा ऋतु के दौरान बाहर खुले मैदान में रखा होने से खराब हो गया ;

(ख) यदि हां, तो गेहूं के खराब होने से कुल कितना नुकसान हुआ ;

(ग) क्या ऊपर उल्लिखित गोदामों में गेहूं रखने की कोई व्यवस्था नहीं की गई ;

(घ) भारतीय खाद्य निगम के इटारसी स्थित गोदाम की क्षमता क्या है ;

(ङ) क्या यह सच है कि भारतीय खाद्य निगम के गोदामों के अन्दर लोहे और सीमेंट की चादरें रखी हुई हैं ; और

(च) यदि हां, तो भारतीय खाद्य निगम के सम्बद्ध अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गयी है ?

**इलेक्ट्रानिकी विभाग तथा खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में उपमंत्री ( श्री एम० एस० संजीवी राव) :** (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) भारतीय खाद्य निगम के इटारसी डीपो में कैप भंडारण के लिए नियमित खुले प्लिंथ हैं । जब कभी ढकी भंडारण क्षमता की कमी अथवा स्टाक को निकालने के लिए जब आपातिक संचलन का आश्रय लेना पड़ता है तब स्टाक कैप भंडारण में रखा जाता है । अन्य राज्यों से प्राप्त देशी गेहूं का कुछ स्टाक जून, 1983 से इन प्लिंथों पर संचित किया गया था, लेकिन इन्हें पोलीथीन कवरों से विधिवत् सुरक्षित रखा गया था । स्टाक की सुरक्षा के लिए अन्य सभी एहतियाती उपाय भी बरते गये थे, जिनमें स्टाक के वातन के लिए समय-समय पर पोलीथीन कवरों को खोलना भी शामिल है ।

गेहूं के स्टाक को कोई क्षति नहीं पहुंची है और इसके फलस्वरूप कोई हानि नहीं हुई थी । कैप में रखे स्टाक को अब निकाल दिया गया है ।

(घ) क्षमता 6250 मीटरी टन है ।

(ङ) जी हां, गोदामों में रखी गई ऐसी सामग्री की लागत 10 लाख रुपये होने का अनुमान है और इसे खुले में रखना सुरक्षित नहीं समझा गया है ।

(च) प्रश्न ही नहीं उठता ।

**Railway Service Commission, Allahabad**

1741. SHRI JAGDAMBI PRASAD YADAV: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) when the results of the written examination held in February, 1982 by the Railway Service Commission, Allahabad, are expected to be declared;

(b) what steps are proposed to be taken by Government to rectify the irregularities as were committed in connection with the examinations held in February, 1981; and

(c) what steps Government propose to take to solve the problem of